एसयूवी की मांग के बीच, इस साल मारुति की वैगनआर ने बेची सबसे ज्यादा गाड़ी

नई दिल्ली

एसयूवी गाड़ियां का चलन दिन ब दिन बढ़ता ही जा रहा है, लेकिन देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी की पुरानी गाड़ी वैगनआर ने फिर लोगों को चौंका दिया है। फाइनेंशियल ईयर 2025 में वैगनआर देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ी है। उसने टाटा की पंच को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। पिछले वित्त वर्ष में देश में वैगनआर की बिक्री 1.98 लाख यूनिट रही जबकि टाटा की पंच 1.96 लाख यूनिट के साथ दूसरे नंबर पर रही। हुंडई की क्रेटा 1.94 लाख यूनिट के साथ तीसरे नंबर पर रही।

वैगनआर की जीत इसलिए भी खास है क्योंकि टॉप 5 में ये अकेली छोटी गाड़ी है। बाकी सब एसयूवी या यूपी हैं। मारुति की अर्टिगा 1.90 लाख यूनिट के साथ चौथे और ब्रेजा 1.89 लाख यूनिट के साथ पांचवें नंबर पर है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मारुति सुजुकी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर ने कहा कि कई लोगों को लगता था कि हैचबैक गाड़ियां अब नहीं चलेंगी, लेकिन वैगनआर की बिक्री ने दिखा दिया कि अभी भी इस कैटगरी में दम है। उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ा देश है और यहां हर तरह के ग्राहक हैं। कुछ लोग हैचबैक गाड़ियों को पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि मारुति हर तरह की गाड़ियां बनाने और बेचने पर ध्यान दे रही है। इसमें एसयूवी भी शामिल हैं, जो कंपनी के लिए एक अहम क्षेत्र है।

उन्होंने कहा कि मारुति हर कैटगरी में गाड़ियां बेचती है। हम एसयूवी या किसी और कैटगरी को कम नहीं आंकते। हम ग्राहकों को विकल्प देकर उनकी पसंद को सीमित नहीं करना चाहते। बाजार में एसयूवी गाड़ियों की बहुत मांग है। पिछले कुछ साल में एसयूवी की बिक्री दोगुनी हो गई है। अब ये सबसे ज्यादा बिकने वाली गाड़ियां हैं। इस साल में एसयूवी की बिक्री 54 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान कुल मिलाकर 43 लाख गाड़ियां बिकीं।

न्यूज ब्रीफ

745 करोड़ जुटाने आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स ने सेबी के पास जमा किए दस्तावेज

नई दिल्ली। आनंद राठी ग्रुप की ब्रोकरेज इकाई आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड ने इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए 745 करोड़ से ज्यादा पैसा जुटाने के लिए सेबी के पास अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दोबारा दाखिल किया है। कंपनी ने पहली बार दिसंबर 2024 में डीआरएचपी दाखिल किया था। कंपनी की तरफ से दाखिल ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के मुताबिक 5 के फेस वैल्यू वाले इस आईपीओ में पूरी राशि फ्रेश इश्यू के जरिए जुटाई जाएगी। कंपनी, बुक रनिंग लीड मैनेजर्स के साथ परामर्श कर 149 करोड़ तक के प्री-आईपीओ प्लेसमेंट का विकल्प भी तलाश सकती है। यदि ऐसा प्लेसमेंट होता है, तो उस राशि को फ्रेश इश्यू से घटा दिया जाएगा। कंपनी फ्रेश इश्यू से जुटाई गई राशि में से 550 करोड़ अपने लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल की जरुरतों और सामान्य कॉरपोरेट जरूरतों के लिए इस्तेमाल करेगी। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट लिमिटेड, डीएएम कैपिटल एडवाइजर्स लिमिटेड और आनंद राठी एडवाइजर्स लिमिटेड को बुक-रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया है, जबकि एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बीएसई लिमिटेड पर सूचीबद्ध करने का प्रस्ताव है। आनंद राठी शेयर्स एंड स्टॉक ब्रोकर्स लिमिटेड 'आनंद राठी' ब्रांड के तहत ब्रोकिंग, मार्जिन ट्रेडिंग और वित्तीय उत्पादों के वितरण जैसी कई तरह की वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है। यह कंपनी खुदरा निवेशकों, हाई-नेट-वर्थ व्यक्तियों, अल्ट्रा- और संस्थागत ग्राहकों जैसे विविध वर्गों को अपनी सेवाएं देती है।

गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को बाजार में उतारने की तैयारी

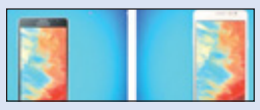

नई दिल्ली। साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग अपने नए रगेड स्मार्टफोन गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को लांच करने की तैयारी कर रही है। स्मार्टफोन का मॉडल नंबर एसएम-जी766यू और एसएम-जी766यू1 है। कंपनी को एफसीसी सर्टिफिकेशन मिलने के बाद इसके जल्द लॉन्च होने की संभावना बढ़ गई है। यह डिवाइस 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क को सपोर्ट करेगा। फोन को टीयूवी रेहइलैंड और गीकबेंच पर भी देखा जा चुका है, जिससे इसके संभावित स्पेसिफिकेशन्स का खुलासा हुआ है। लीक रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह स्मार्टफोन स्नैपड्रैगन 7एस जेन 3 प्रोसेसर और अड्रीनो 810 जीपीयू के साथ आ सकता है। गीकबेंच टेस्टिंग में इसे 1157 सिंगल-कोर और 4265 मल्टी-कोर स्कोर मिले हैं। यह डिवाइस 6जीबी रैम के साथ लॉन्च हो सकता है और इसमें 4265एमएच बैटरी दी जा सकती है। यह फोन ऐंड्रॉयड 15 बेस्ड वन यूआइई 7 पर काम करेगा। गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 प्रो को लेकर अब तक आधिकारिक स्पेसिफिकेशन्स सामने नहीं आए हैं, लेकिन यह पिछले वेरिएंट गैलेक्सी एक्सकव्हर 7 का अपग्रेडेड वर्जन माना जा रहा है। पुराने मॉडल में 6.6 इंच का फुल एचडी प्लस टीएफटी डिस्प्ले, आईपी68 वॉटर रेजिस्टेंस और एमआईएल-एसटीडी-810 एच सर्टिफिकेशन मिलता है। यह डाइमेंसिटी 6100 प्लस प्रोसेसर और 50एमपी प्राइमरी कैमरा के साथ आता है। इसमें 4050 एमएएच बैटरी, डॉल्बी ऐटमॉस साउंड, 3.5 एमएम हेडफोन जैक और यूएसबी-सी पोर्ट दिया गया है।

व्हाटसएप ने फरवरी में किए 97 लाख अकाउंट बैन, यूजर्स को दिए कई सुझाव

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाली मशहूर मैसेजिंग ऐप व्हाटसएप ने कहा है कि फरवरी 2025 में भारत में 97 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को बैन कर दिया गया है। यह कार्रवाई व्हाटसएप के नियमों और शर्तों का उल्लंघन करने के चलते की गई है। खास बात यह है कि इनमें से 14 लाख से ज्यादा अकाउंट्स को यूजर्स की शिकायत से पहले ही बैन कर दिया गया था। यह जानकारी व्हाटसएप ने अपनी मासिक सुरक्षा रिपोर्ट में दी है, जो हर महीने जारी की जाती है। इस रिपोर्ट में यूजर्स को सुरक्षित रखने और प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल करने के लिए कई सुझाव दिए गए हैं। व्हाटसएप ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकों का इस्तेमाल किया है। साथ ही डेटा साइंटिस्ट्स और विशेषज्ञों की टीम भी इस काम में जुटी है। व्हाटसएप ने यूजर्स से अपील की है कि वे प्लेटफॉर्म का जिम्मेदारी से इस्तेमाल करें। इसके लिए कुछ आसान टिप्स भी शेयर किए हैं, जिसमें दूसरों की निजता का सम्मान करना, बार-बार मैसेज न भेजना और ब्रॉडकास्ट लिस्ट का सही तरीके से इस्तेमाल करना शामिल है।

ट्रंप के टैरिफ के पहले ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान निचले स्तर से रिकवरी करने के बाद मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजारों में दबाव के बीच मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान के मुताबिक रेसिप्रोकल टैरिफ लागू हो जाएगा। भारतीय समय के मुताबिक रेसिप्रोकल टैरिफ देर रात लागू होंगे। इस टैरिफ के लागू होने के पहले दुनिया भर के निवेशकों की नजर नई अमेरिकी टैरिफ पॉलिसी और ग्लोबल मार्केट पर उसके पड़ने वाले असर पर टिकी हुई है। इसी आशंका की वजह से दुनिया भर के बाजारों में असमंजस का माहौल बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद निचले स्तर से रिकवरी करके बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.38 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,633.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 150.60 अंक यानी 0.87 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,449.89 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.08 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 41,955.51 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के कारोबार के बाद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एफटीएसई इंडेक्स 0.60 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,634.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.09 प्रतिशत उछल कर 7,876.36 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 376.49 अंक यानी 1.67 प्रतिशत की जोरदार बढ़त के साथ 22,539.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशिया में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। इंडोनेशिया के स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में भी कोई बदलाव नहीं है। अभी तक के कारोबार में स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत टूट कर 3,958.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,513.63 अंक के स्तर तक पहुंचा हुआ है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक कमजोरी के साथ 21,279.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 103 अंक यानी 0.44 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,389 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत उछल कर 1,171.71 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 35,647.25 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,220.15 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,356.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मार्च में जीएसटी ने भरा सरकार का खजाना, 1.96 लाख करोड़ रुपए आए

नई दिल्ली

मार्च 2025 में जीएसटी का कुल संग्रह 9.9 फीसदी बढ़कर 1.96 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। सरकार द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 8.8 फीसदी बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपए रहा, जबकि आयातित वस्तुओं से मिला राजस्व 13.56 फीसदी बढ़कर 46,919 करोड़ रुपए हो गया। मार्च में कुल रिफंड 41 फीसदी बढ़कर 19,615 करोड़ रुपए रहा है।

रिफंड को समायोजित करने के बाद मार्च 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा, जो पिछले साल की तुलना में 7.3 फीसदी की बढ़ोतरी को दिखाता है। फरवरी 2025 में जीएसटी का कुल संग्रह 9.1 फीसदी बढ़कर करीब 1.84 ट्रिलियन रुपए था। आधिकारिक डेटा के मुताबिक सेंट्रल जीएसटी से 35,204 करोड़ रुपण्, स्टेट जीएसटी से 43,704 करोड़ रुपए, एकीकृत जीएसटी से 90,870 करोड़ रुपए और क्षतिपूर्ति उपकर से 13,868 करोड़ रुपए का संग्रह हुआ था।

फरवरी में घरेलू लेनदेन से जीएसटी राजस्व 10.2 फीसदी बढ़कर 1.42 ट्रिलियन रुपए रहा था, जबकि आयात से राजस्व 5.4 फीसदी बढ़कर 41,702 करोड़ हो गया। फरवरी में जारी कुल रिफंड 20,889 करोड़ रहा, जो पिछले साल की तुलना में 17.3 फीसदी ज्यादा था। फरवरी 2025 में शुद्ध जीएसटी संग्रह 8.1 फीसदी बढ़कर करीब 1.63 ट्रिलियन रहा था। फरवरी 2024 में सकल और शुद्ध जीएसटी राजस्व क्रमश: 1.68 ट्रिलियन और 1.50 ट्रिलियन रुपए रहा। हालांकि, फरवरी 2025 में 1.84 ट्रिलियन रुपए का सकल जीएसटी संग्रह जनवरी 2025 में 1.96 ट्रिलियन रुपए के संग्रह से कम रहा।

रियलमी ने लांच किए रियलमी 14टी और सी75एक्स

रियलमी अपने दो नए स्मार्टफोन रियलमी 14टी और रियलमी सी75एक्स को बाजार में लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है। कंपनी ने अभी तक इन डिवाइसेज की आधिकारिक लॉन्च डेट की घोषणा नहीं की है, लेकिन ब्लूटूथ एसआईजी, एफसीसी और अन्य सर्टिफिकेशन साइट्स पर इन्हें देखा जा चुका है। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि फोन जल्द ही मार्केट में एंट्री कर सकते हैं।

पीएलआई योजना : सरकार कंप्यूटर और सर्वर के आयात से हटाएगी प्रतिबंध

नई दिल्ली

अगर कंपनियां उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत देसी उत्पादन के वादे पर कायम रहती हैं तो सरकार लैपटॉप, ऑल-इन-वन पर्सनल कंप्यूटर, टैबलेट, अल्ट्रा-स्मॉल फॉर्म फैक्टर कंप्यूटर और सर्वर के आयात पर सभी संभावित प्रतिबंधों को खत्म करने के लिए तैयार है।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों ने जानकारी दी कि सभी प्रमुख लैपटॉप, सूचना प्रौद्योगिकी हार्डवेयर डिवाइस एवं पुर्जा विनिर्माताओं ने से शुरू नए वित्त वर्ष में घरेलू मूल्यवर्धन को बेहतर करने के लिए अपनी योजनाएं इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साथ साझा की हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन योजनाओं में स्थानीय उत्पादन बढ़ाना और प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, लैपटॉप केसिंग, स्पीकर, माइक्रोफोन, डिस्प्ले आदि इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जो की सोर्सिंग करना शामिल है।

उन्होंने कहा कि जाहिर तौर पर साल के मध्य में उसकी समीक्षा की जाएगी और ऑडिट किए जाएंगे। इन सभी कंपनियों ने अपनी योजनाओं और समय-सीमाओं के बारे में जानकारी दी है। हम इसे एक संतुलित तरीके से आगे बढ़ाना चाहते हैं और प्रतिबंधों को पूरी तरह हटाने पर विचार करने को तैयार हैं। अगर ये कंपनियां अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में असमर्थ हैं तो फिर कारणों पर गौर किया जाएगा और समझने की कोशिश करेंगे कि उसमें सरकार क्या कर सकती है।

स्विगी को मिला 158 करोड़ का टैक्स मांग का नोटिस, उल्लंघनों से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली

फूड और ग्रॉसरी डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने कहा है कि उसे अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि के लिए 158 करोड़ रुपए से ज्यादा की अतिरिक्त टैक्स मांग वाला एक असेसमेंट ऑर्डर मिला है। कंपनी ने बताया कि यह आदेश आयकर विभाग के डिप्टी कमिश्नर, सेंट्रल सर्कल1, बेंगलुरु द्वारा जारी किया है।

यह मामला कथित उल्लंघनों से जुड़ा हुआ है, जिसमें मर्चेंट्स को दिए गए कैंसलेशन चार्ज को इनकम टैक्स एक्ट के तहत अस्वीकार किया जाना और इनकम टैक्स रिफंड पर मिले ब्याज को कर योग्य आय में शामिल न करना शामिल है।

स्विगी ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, कंपनी को अप्रैल 2021 से मार्च 2022 की अवधि के लिए एक असेसमेंट ऑर्डर मिला है, जिसमें 1,58,25,80,987 रुपए की अतिरिक्त आय जोड़ी गई है।

कंपनी ने कहा कि आदेश के खिलाफ मजबूत तर्कों पर भरोसा है और वह अपनी स्थिति की रक्षा के लिए अपील के जरिए जरूरी कदम उठा रही है। कंपनी ने यह भी साफ कर दिया है इस आदेश का उसकी वित्तीय स्थिति और संचालन पर कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा।

स्विगी 13 नवंबर, 2024 को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट हुई थी। बाजार में कदम रखने के बाद से फूड डिलीवरी कंपनी के शेयरों पर दबाव देखा गया है। पिछले तीन महीनों में कंपनी के शेयर 38.88 फीसदी तक गिरे हैं। पिछले कारोबारी सत्र 1 अप्रैल में स्विगी का शेयर 0.50 फीसदी की तेजी लेकर 331.55 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ।

गरीबी में बीता होंडा मोटर्स के संस्थापक साइचिरो का बचपन

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों में से एक होंडा मोटर्स के संस्थापक साइचिरो होंडा का सफर संघर्षों से भरा रहा है। जापान के एक छोटे से गांव में 1906 में जन्मे साइचिरो का बचपन बेहद गरीबी में बीता। उनके पिता साइकिल रिपेयरिंग का काम करते थे, जबकि उनकी मां कपड़ा बुनती थीं। पढ़ाई में उनकी ज्यादा रुचि नहीं थी, लेकिन मशीनों के प्रति उनका लगाव बचपन से ही था। उन्होंने महज 16 साल की उम्र में स्कूल छोड़ दिया और टोक्यो जाकर 'आर्टशोकाई' कंपनी में मैकेनिक बनने की कोशिश की। वहां उन्हें शुरुआत में झाड़ू-पोंछा करने का काम मिला, लेकिन उन्होंने इसे सीखने के अवसर के रूप में लिया और जल्द ही कार रिपेयरिंग में माहिर हो गए। 1991 में उनके निधन के समय, होंडा मोटर्स दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बन चुकी थी। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि मेहनत और लगन से कोई भी इंसान असंभव को संभव बना सकता है। साइचिरो होंडा ने रेसिंग कार डिजाइन की, जिसने 1924 की जापानी मोटर कार रेस में पहला स्थान प्राप्त किया। लेकिन 1936 में एक रेसिंग प्रतियोगिता के दौरान हुए हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उनका रेसिंग करियर समाप्त हो गया। इसके बाद उन्होंने अपनी खुद की कंपनी शुरू करने का फैसला किया और पिस्टन रिंग बनाने का व्यवसाय शुरू किया। शुरुआत में उनके प्रोडक्ट को रिजेक्ट कर दिया गया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और दोबारा कोशिश की। आखिरकार, उनकी पिस्टन रिंग्स को टोयोटा ने स्वीकार कर लिया और उनका व्यवसाय तेजी से बढ़ा।